मूल्य 1 रु.
वर्ष: 10 - अंक : 137, मुंबई, गुरुवार, 6 अगस्त, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

MUMBAI तर-बतर

भारी बारिश के साथ 107 किमी/घंटे की रफ्तार से चलीं हवाएं, घर-सड़कें पानी में डूबे

संवाददाता

मुंबई। लगातार दो दिन से जारी भारी बारिश के आगे मुंबई बेबस हो गई। बारिश के चलते मुंबई में हर जगह पानी भर गया है। सड़कें, घर, दफ्तर पानी में डूब गए हैं। मुंबई जाम हो गई है। बुधवार को भारी बारिश के साथ 107 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। इससे कई जगह पेड़ भी उखड़ गए।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

रिया चक्रवर्ती को ईडी का समन

शुक्रवार को होना होगा पेश

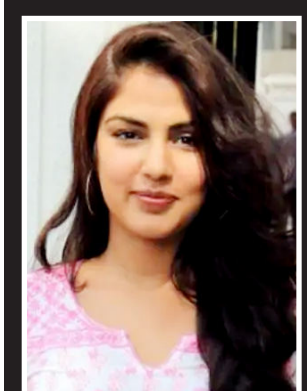

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के आत्महत्या मामले में एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सुशांत की गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती को समन भेजा है। रिया चक्रवर्ती को शुक्रवार को ईडी के सामने पेश होना होगा। मालूम हो कि सुशांत सिंह राजपूत सुसाइड मामले में रिया चक्रवर्ती पर कई गंभीर आरोप लगे हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मंत्रालय के प्रवेश द्वार के सामने जांच चौकी पर गिरा पेड़

भारी बारिश के बीच दक्षिण मुंबई में महाराष्ट्र सरकार के प्रशासनिक मुख्यालय 'मंत्रालय' के मुख्य द्वार के सामने जांच चौकी पर एक बड़ा पेड़ गिर गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ लेकिन जांच चौकी के बाहर लगी हुई दो गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गयी।

दो लोकल ट्रेनें फंसने के बाद 40 लोगों को बचाया गया

मुंबई समेत कई इलाकों के लिए रेड अलर्ट जारी

मुंबई के अलावा पुणे, पालघर, ठाणे, मुंबई और कोंकण के लिए बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, पिछले 24 घंटों के दौरान (मंगलवार सुबह 8.30 बजे से बुधवार सुबह 8.30 बजे तक) आईएमडी कोलाबा और सांताक्रुज ने क्रमशः 53.2 मिमी और 84.2 मिमी बारिश दर्ज की है।

दहिसर नदी ओवरफ्लो हुई

उद्धव ने लोगों से घर में ही रहने की अपील की

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बुधवार को मुंबई और आसपास के इलाकों में हो रही मूसलाधार बारिश के मद्देनजर लोगों से जरूरी नहीं होने पर घर से बाहर नहीं निकलने की अपील की है। ठाकरे ने हालात का जायजा लिया और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) से कहा कि पुलिस, रेलवे अधिकारियों, स्वास्थ्य महकमे और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के साथ समन्वय करें ताकि यह सनिश्चित किया जा सके कि लोगों को कोई परेशानी नहीं हो।

मुंबई में सायन, चेंबूर, कुर्ला, किंग सर्कल, अंधेरी ईस्ट, सांताक्रुज जैसे इलाकों में सड़कें डूबीं

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

आभासी देखभाल

सेहत की दुनिया में तेजी से ऐसे बदलाव हो रहे हैं, जो स्थाई रूप से अपना प्रभाव छोड़ जाएंगे। ऐसे ही बदलावों में एक है, वर्चुअल या आभासी स्वास्थ्य देखभाल। अमेरिका जैसे विकसित देश में जब इस विषय पर जनवरी में डॉक्टरों ने चर्चा की, तो बहुत उत्साह नहीं दिखा, लेकिन मार्च के महीने तक आते-आते आभासी स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी साफ तौर पर दिखने लगी। आज के समय में ऐसे अनेक मरीज हैं, जो आभासी रूप से ही अपना इलाज करा रहे हैं। केवल कोरोना के मरीज ही नहीं, बल्कि उनसे कहीं ज्यादा संख्या में अन्य बीमारियों के मरीजों ने भी आभासी सेवा को तरजीह देनी शुरू कर दी है। अमेरिका जैसे विकसित देश में जो सर्वेक्षण हुआ था, उससे पता चलता है कि वर्ष 2018 के बाद से आभासी स्वास्थ्य सेवा धीमी गति से तरक्की कर रही थी, क्योंकि डॉक्टर इसे ज्यादा तरजीह नहीं दे रहे थे। लेकिन अब समय ऐसा है, जब डॉक्टर इस सेवा को हाथों-हाथ लेने लगे हैं। ऐसा केवल अमेरिका में नहीं हुआ है, बल्कि पूरी दुनिया के डॉक्टरों को मरीजों की भलाई के साथ-साथ अपनी भी चिंता सताने लगी है। अब चर्चा यह होने लगी है कि आभासी सेवा का एक अच्छा व्यावसायिक मॉडल विकसित करना पडेगा। इसका अर्थ है, मरीज और डॉक्टर के बीच संवाद को आभासी स्तर पर ही सहज, सुविधाजनक और उच्च गुणवत्तापूर्ण बनाना पड़ेगा। इसमें कोई शक नहीं है कि आज चिकित्साकर्मी बड़ी मुसीबत झेल रहे हैं। एक शोध से पता चला है कि पीपीई किट पहनने के बावजूद डॉक्टरों पर खतरा ज्यादा है। कोशिश हो रही है कि कम से कम मरीजों को अस्पताल आने की जरूरत पड़े, ताकि डॉक्टरों को कम से कम खतरा हो। ज्यादा से ज्यादा लोगों को होम क्वारंटीन रखते हुए स्वस्थ करने की चुनौती बढ़ गई है। अमेरिकी सर्वेक्षण से पता चलता है कि डॉक्टरों के बीच परस्पर वर्चुअल बातचीत 2018 में 17 प्रतिशत थी, पर मार्च 2020 में यह 22 प्रतिशत के करीब पहुंच गई। इसी दौरान डॉक्टरों की वर्चुअल विजिट भी 14 प्रतिशत से 19 प्रतिशत हो गई। सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह कि 2018 में डॉक्टर वर्चुअल माध्यम से मरीजों से 38 प्रतिशत संवाद करते थे, अब 63 प्रतिशत से ज्यादा करने लगे हैं। 90 प्रतिशत डॉक्टरों ने यह माना है कि सामान्य प्रैक्टिस में ऐसे अनेक जरूरी पहलू नदारद थे, जो वर्चुअल सेवा में साफ महसूस होने लगे हैं। दिलचस्प यह कि सामान्य प्रैक्टिस में डॉक्टर ज्यादातर मरीजों से कोई सहानुभूति नहीं दर्शाते हैं, पर अब 85 प्रतिशत डॉक्टरों को लगता है कि उन्हें सहानुभूति दर्शाने का कौशल विकसित करना होगा, तभी वे बेहतर सेवा दे पाएंगे। अब वर्चुअल प्रैक्टिस में 50 से 70 प्रतिशत तक इजाफा हो चुका है। 84 प्रतिशत डॉक्टरों को लगता है, तकनीक का अबाध उपयोग अब पहले से ज्यादा जरूरी हो गया है। 82 प्रतिशत डॉक्टरों को लगता है, यह बात पहले नदारद थी। आने वाले समय में ऐसा परिदृश्य निर्मित होगा, जब तमाम अस्पतालों को आभासी स्वास्थ्य सेवा भी मुहैया करानी पड़ेगी। मरीज को केवल अपनी जरूरी जांच के लिए ही अस्पताल आना पड़ेगा। अचरज की बात नहीं कि ज्यादा से ज्यादा मरीज घर बैठे अपनी पूरी जांच चाहेंगे और सेवा में वही डॉक्टर और अस्पताल बेहतर टिकेंगे, जो यह मांग पूरी कर सकेंगे।

ओवैसी बोले- मोदी की मौजूदगी सेक्युलरिज्म पर हिंदुत्व की जीत

उमर ने कहा- भाजपा जश्न मनाए और हम चर्चा के लिए इकट्ठा भी नहीं हो सकते

अयोध्या में राम मंदिर के भूमि पूजन और जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का एक साल पूरा होने पर सियासत तेज हो गई है। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने भूमि पूजन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। वहीं, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अनुच्छेद 370 हटाने के एक साल होने पर भाजपा को आड़े हाथों लिया।

असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को ट्वीट किया कि अयोध्या में भूमि पूजन के लिए प्रधानमंत्री की मौजूदगी देश में सेक्युलरिज्म पर हिंदुत्व की जीत है। समारोह में शामिल होकर प्रधानमंत्री संविधान के स्ट्रक्चर को संभालने में फेल हो गए। वहीं, उमर अब्दुल्ला ने कहा कि घाटी में भाजपा अनुच्छेद 370 हटाने का एक साल होने पर जश्न मना सकती है। लेकिन, हम चर्चा के लिए भी एक जगह इकट्ठा नहीं हो सकते।

ओवैसी ने कहा कि वह और देश के करोड़ों मुस्लिम, हिंदू, बौद्ध और सिख सभी भावुक थे। क्योंकि वह सह-अस्तित्व, नागरिकता की समानता में विश्वास करते थे। उन्होंने कहा कि मैं भावुक हूं, क्योंकि प्रधानमंत्री अपने संवैधानिक दायित्वों को पूरी तरह भूल गए और संविधान के बेसिक स्ट्रक्चर को संभाल नहीं सके। शिलान्यास से पहले ओवैसी ने ट्वीट किया था कि बाबरी मस्जिद थी और रहेगी, इंशाअल्लाह। इसके साथ उन्होंने बाबरी मस्जिद और बाबरी मस्जिद विध्वंस की एक-एक तस्वीर भी साझा की थी। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को ही अयोध्या में राम मंदिर का भूमिपूजन किया। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) अध्यक्ष फारुख अब्दुल्ला के घर पर बुधवार को होने वाली मीटिंग टालनी पड़ी। एनसी के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने ट्विटर पर लिखा कि कोरोना को लेकर लगी पाबंदियों की वजह से मीटिंग को टालना पड़ा।

उन्होंने भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए ट्वीट किया कि भाजपा धारा 370 हटाने का एक साल होने पर जश्न मना सकती है। लेकिन, हम सिर्फ चर्चा करने के लिए भी मीटिंग नहीं कर सकते। पार्टी के नेताओं के बीच होने वाली मीटिंग में जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने के बाद के हालात और राज्य के विशेष दर्जे की बहाली के लिए रणनीति बनाने पर चर्चा होनी थी।

ट्रम्प ने कहा- कोविड-19 के खिलाफ बच्चों का इम्यून सिस्टम मजबूत, स्कूल दोबारा से खुलने चाहिए

दुनिया में कोरोनावायरस के संक्रमण से अब तक 1 करोड़ 86 लाख 97 हजार 917 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें 1 करोड़ 19 लाख 13 हजार 908 मरीज ठीक भी हो चुके हैं। 7 लाख 4 हजार 932 की मौत हो चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि स्कूल फिर से खुलने चाहिए, क्योंकि बच्चों में कोरोनावायरस से लड़ने के लिए मजबूत इम्यून सिस्टम मौजूद है। उन्होंने कहा कि बच्चों में हमसे भी मजबूत इम्यून सिस्टम है। ट्रम्प के मुताबिक कोरोना से अब तक केवल न्यू जर्सी में ही एक बच्चे की मौत हुई है। वह बच्चा डायबिटीज का भी मरीज था। ट्रम्प ने कहा कि डायबिटीज के मरीज बच्चों का भी इम्यून सिस्टम काफी मजबूत होता है। खबर के मुताबिक, दुनिया में हर 15 सेकंड में संक्रमण से एक व्यक्ति की मौत हो रही है। हर 1 घंटे में 247 और 24 घंटे में करीब 5 हजार 900 लोगों की जान जा रही है। अमेरिका, ब्राजील, भारत और मैक्सिको में संक्रमण के मामले सबसे तेजी बढ़ रहे हैं। अमेरिका और लैटिन अमेरिकी देश इसके नए एपिसेंटर बन कर उभरे हैं। इनमें ब्राजील और मैक्सिको सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। ब्राजील में अब तक 28 लाख से ज्यादा और मैक्सिको में 4 लाख से ज्यादा संक्रमित मिले हैं। गूगल ने भी कोरोनावायरस पर लोगों को जागरूक किया है। कंपनी ने अपने डूडल के जरिए लोगों से मास्क लगाने और सोशल डिस्टेंसिंग अपनाने की अपील की है। गूगल ने अपने लोगो के सभी अक्षरों पर मास्क लगाते हुए आपस में सोशल डिस्टेंसिंग दिखाई है। संयुक्त राष्ट्र के सेक्रेटरी जनरल एंतोनियो गुतेरस ने मंगलवार को कहा कि महामारी से बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि जुलाई से ही दुनिया के 160 देशों में स्कूल बंद हैं। इससे स्कूल जाने वाले 100 करोड़ बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। 4 करोड़ से ज्यादा बच्चे अपनी स्कूली पढ़ाई शुरू नहीं कर सके हैं। बच्चों को स्कूल तक सुरक्षित वापस लाना हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। रूस कम समय के लिए बिजनेस ट्रिप पर आने वाले दूसरे देशों के लोगों को वीजा फ्री इंट्री देगा। प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तिन ने मंगलवार को इससे जुड़े आदेश पर साइन किया। रूस में सिर्फ डिप्लोमैटिक या सर्विस पासपोर्ट पर आने वाले लोगों को ही वीजा फ्री इंट्री दी जाती रही है। यह पहली बार है जब सरकार ने इससे इतर किसी को यह सहूलियत दी है। रूस में फिलहाल 86 हजार से ज्यादा संक्रमित हैं और 14 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई है।

चीन का बड़बोलापन

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीनी सैनिकों के विस्तार की कोशिश के कारण दुनिया में किरकिरी झेल चुके चीन ने भारत के आंतकरिक विषयों पर प्रतिक्रिया दी है। चीन ने बीते साल जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ती और लद्दाख को अलग केंद्रशासित प्रदेश बनाने के भारत सरकार के फैसले की आलोचना की है। चीन ने बुधवार को इसे भारत का एकतरफा निर्णय करार देते हुए जम्मू-कश्मीर को दो अलग-अलग केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के फैसले को अवैध और अमान्य बताया है। चीन ने भारत और पाकिस्तान से बातचीत और परामर्श के माध्यम से कश्मीर विवाद को हल करने का भी आह्वान किया।

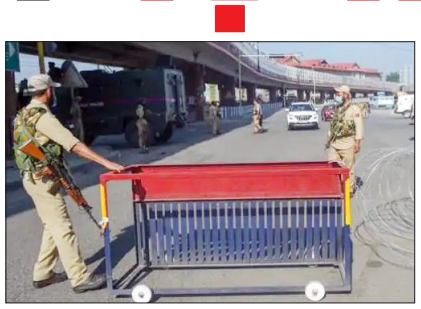

आपको बता दें कि बीते साल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ती की घोषणा की थी। साथ-साथ जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को दो अलग-अलग केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया गया। आज देश इसकी पहली वर्षगांठ मना रहा है। जम्मू-कश्मीर में आज बीजेपी कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। एक साल बाद भारत सरकार के फैसले के प्रभाव पर एक प्रश्न के जवाब में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा, चीन कश्मीर क्षेत्र में स्थिति का बारीकी से पालन करता है। कश्मीर मुद्दे पर चीन की स्थिति स्पष्ट और सुसंगत है। यह मुद्दा पाकिस्तान और भारत के बीच इतिहास से जुड़ा विवाद है।' प्रवक्ता ने कहा कि यह संयुक्त राष्ट्र चार्टर, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और पाकिस्तान और भारत के बीच द्विपक्षीय समझौतों के तहत एक उद्देश्यपूर्ण तथ्य है। उन्होंने कहा, यथास्थिति में कोई भी एकतरफा बदलाव अवैध और अमान्य है। इस मुद्दे को संबंधित पक्षों के बीच बातचीत और परामर्श के माध्यम से शांतिपूर्वक हल किया जाना चाहिए।

'पुणे से नासिक दो घंटे में पहुंचना होगा संभव'

संवाददाता

मुंबई। पुणे-नासिक सेमी हाइस्पीड डबल लाइन रेल परियोजन के पूरा होते ही पुणे से नासिक के बीच का रेल सफर महज दो घंटे में पूरा किया जा सकेगा। राज्य सरकार इस परियोजना को रिकॉर्ड टाइम में पूरा करने की कोशिश करेगी। यह बात राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने मंगलवार को कही। मंगलवार को मंत्रालय में महाराष्ट्र रेल्वे इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड तथा 'महारेल' की तरफ से 'पुणे-नासिक सेमी हाइस्पीड रेल परियोजना' का प्रेजेंटेशन दिया गया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार की अध्यक्षता में एक बैठक भी हुई। बैठक में पवार ने कहा कि पुणे, अहमदनगर और नासिक इन तीन जिलों को जोड़ने वाली यह सरकार की महत्वपूर्ण परियोजना है। इससे न सिर्फ यात्रियों का समय बचेगा बल्कि कृषि उत्पादनों की माल ढुलाई को भी गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि कोरोना का संकट है बावजूद इसके जनप्रतिनिधियों को विश्वास में लेकर यह परियोजना रिकॉर्ड टाइम में पूरी की जाएगी। इस परियोजना के लिए पैसे की कमी नहीं पड़ने दी जाएगी। बैठक में राजस्व मंत्री बालासाहेब थोरात, श्रम मंत्री दिलीप वलसे-पाटील, परिवहन मंत्री अनिल परब, परिवहन राज्यमंत्री सतेज पाटील समेत तीनों जिलों के सांसद, विधायक और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सुशांत की मौत के दिन घर के बाहर लगे सभी सीसीटीवी कैमरा कर रहे थे काम

मुंबई। सुशांत सिंह राजपूत का शव उनके बांद्रा स्थित फ्लैट में मिलने के बाद से ही लोग इसे मर्डर करार दे रहे थे। इसके बाद खबरें आईं कि सुशांत की मौत के दिन उनके घर के बाहर लगे हुए सभी सीसीटीवी कैमरा भी बंद थे जिसके बाद मामला और संदिग्ध माना जा रहा था हालांकि सीसीटीवी कंपनी के मालिक ने बताया है कि घर के बाहर लगे सभी 13 सीसीटीवी कैमरा काम कर रहे थे जिसकी फुटेज मुंबई पुलिस के पास है। सीसीटीवी कंपनी के मालिक ने एक इंटरव्यू

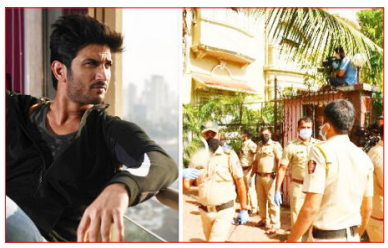

में खुलासा किया है कि 14 जून को सुशांत के घर के बाहर लगे कैमरा बंद नहीं थे। वहीं दूसरी तरफ खबरें थीं कि सुशांत के घर के बाहर लगे 13 कैमराज काम नहीं कर रहे थे और अपार्टमेंट के बाहर लगा सीसीटीवी कैमरा अब तक मिला ही नहीं है। हालांकि ये गलत है। खबर के मुताबिक मुंबई पुलिस के पास सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज है जिसकी मांग बिहार पुलिस द्वारा की गई है। लेकिन मुंबई पुलिस ने अब तक उन्हें फुटेज मुहैया नहीं करवाई है। इंटरव्यू के दौरान सीसीटीवी कंपनी के मालिक ने बताया कि 14 जून को एक्टर की मौत से पहले क्या हुआ वो सब रिकॉर्ड में है।

कैमरा बंद होने की थी अफवाह: सुशांत की मौत के बाद से ही खबरें थीं कि 13 से 14 जून के सभी सीसीटीवी कैमरा बंद थे जिसके बाद से ही सोशल मीडिया पर मर्डर का एंगल बताया जा रहा था। इसके बावजूद मुंबई पुलिस का कोई बयान सीसीटीवी को लेकर सामने नहीं आया जिसमें उन्होंने रिकॉर्डिंग लेने की पुष्टि की थी। सुशांत के पिता केके सिंह द्वारा बिहार में केस किए जाने के बाद से ही मामले ने रफ्तार पकड़ ली है। फिलहाल 35 लोगों से पूछताछ करने के बाद मनी लॉन्ड्रिंग का एंगल भी देखा जा रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री शिवाजीराव पाटिल निलंगेकर का निधन, जुलाई में कोरोना के बाद स्वस्थ हो गए थे

पुणे। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शिवाजीराव पाटिल निलंगेकर का बुधवार को पुणे में निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। परिवार के सूत्रों ने बताया कि निलंगेकर का यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह हाल में कोरोनावायरस से संक्रमित पाए गए थे। बाद में स्वस्थ हो गए थे और जांच में संक्रमित न पाए जाने के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता निलंगेकर मराठावाड़ा क्षेत्र के लातूर से राजनीति में सक्रिय रहे हैं। वे जून 1985 से मार्च 1986 तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। निलंगेकर ने अपनी बेटी और उसकी दोस्त की 'मदद' के लिए 1985 में एमडी परीक्षा के नतीजों में कथित छेड़छाड़ के आरोप लगने के कारण मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। निलंगेकर को सांस लेने में तकलीफ के बाद जुलाई में उनका कोरोना टेस्ट कराया गया था। इसमें वह पॉजिटिव पाए गए थे। उन्हें पुणे के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज कर दिया गया था।

कोयना बांध में भारी बारिश से जल स्तर छह टीएमसी बढ़ा

मुंबई। पश्चिम महाराष्ट्र में स्थित कोयना बांध के जलग्रहण क्षेत्रों में बीते 24 घंटे के दौरान भारी बारिश के कारण छह टीएमसी (हजार मिलियन क्यूबिक फीट) पानी आया है। यह बांध 2000 मेगावाट बिजली उत्पन्न करता है। सतारा जिले के सह्याद्रि (या पश्चिमी घाट) पर्वत श्रृंखला में स्थित इस बांध की क्षमता 105 टीएमसी की है। मगर चार अगस्त की सुबह से भारी बारिश की वजह से जलाश्य में पानी भर रहा है। उन्होंने बताया कि कोयना बांध के जलग्रहण के इलाके में भारी बारिश हो रही है। महाबलेश्वर में 320 मिमि बारिश हुई है। इसके बाद कोयनानगर और नवाजा में 230-230 मिमि से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। बांध स्थल से अधिकारी ने बताया कि बांध का जलस्तर मंगलवार सुबह 56 टीएमसी था जो बुधवार सुबह बढ़कर 62 टीएमसी हो गया। पूछा गया कि बांध के स्तर में क्या बढ़ोतरी सामान्य है, तो अधिकारी ने कहा कि हर साल मानसून में भारी बारिश की वजह से जल स्तर में कम से कम एक बार तेज बढ़ोतरी होती है। उन्होंने बताया कि पिछले साल 24 घंटे में बांध में 12 टीएमसी पानी आया था।

(पृष्ठ 1 का शेष)

मुंबई तर-बतर

सायन, चेंबूर, कुर्ला, किंग सर्कल, अंधेरी ईस्ट, सांताक्रुज जैसे तमाम इलाकों में सड़कें पानी में डूबी हुई हैं। देर रात एनडीआरएफ की टीम ने मस्जिद से भायखला स्टेशन के बीच फंसे 40 लोगों को रेस्क्यू किया। दरअसल, ट्रैक पर पानी भर जाने के कारण लोकल ट्रेनें यहीं फंस गई थी। मौसम विभाग ने गुरुवार के लिए भी रेड अलर्ट यानी भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इस बीच, पीएम मोदी ने सीएम उद्धव को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री आदित्य ठाकरे ने लोगों से घरों में रहने की अपील करते हुए ट्विटर पर लिखा, 'हमने सभी को घर में रहने के लिए आग्रह करते हैं, पुलिस और शहरी/ग्रामीण स्थानीय निकाय के कर्मचारी सड़कों पर हैं और तूफानी बारिश से जूझ रहे हैं। कृपया घर पर रहें।' बारिश के कारण मुंबई में वेस्टर्न एक्सप्रेस-वे पर लंबा ट्रैफिक जाम देखने को मिला। आईएमडी के एक अधिकारी ने बताया कि पुणे शहर में 24 घंटों में 59 मिमी. बारिश हुई और अगले दो दिनों में भारी बारिश होने की आशंका है। चार बांधों वरसगांव, खडकवासला, पानशेत और टेमघर के डूब वाले इलाकों में अच्छी बारिश हुई। ये बांध शहर में पानी की सप्लाई करते हैं। उत्तर-पश्चिमी उपनगरों में दहिसर नदी, 4 अगस्त और 5 अगस्त को मुंबई में लगातार बारिश के कारण, संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के कुछ हिस्सों में ओवरफ्लो हुई है। साथ ही इसके चलते क्षेत्र में सड़क डैमेज हो गई है। पालघर जिले के नालासोपारा में भी बारिश की वजह से सड़कें तालाब में तब्दील हो चुकी हैं और लोगों के घरों में पानी भर गया। आलम यह है कि आसपास की नदियां भी ओवरफ्लो हो चुकी हैं और बारिश की वजह से खतरा बढ़ता जा रहा है। लोकल ट्रेन की आवाजाही अभी शुरू है। मंगलवार को हुई भारी बारिश से मुंबई और ठाणे में घरों में पानी घुस गया था। पिछले 24 घंटों के दौरान दहानु तालुका में अब तक सबसे अधिक 465 मिमी बारिश हुई है, इसके बाद तलसारी में 423 मिमी बारिश हुई है। मुंबई के परेल, हिंदमाता, वडाला और चेंबूर में पानी भर गया है। चर्चगेट से डहाणु तक लोकल ट्रेनें चल रही हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल से कसारा (ठाणे), खोपोली (रायगढ़), पनवेल (नवी मुंबई) और गोरेगांव तक उपनगरीय सेवाएं भारी बारिश के बावजूद भी चल रही हैं। बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन (बेस्ट) की बस सेवाएं भी कुछ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रभावित हुई हैं। बीते 24 घंटों के दौरान मुंबई समेत कोंकण, गोवा में भारी बारिश हुई। तटीय कर्नाटक, केरल, अंडमान निकोबार द्वीप समूह, दक्षिणी गुजरात और उत्तरी तटीय ओडिशा में भी कुछ स्थानों पर भारी बारिश हुई है।

रिया चक्रवर्ती को ईडी का समन

सुशांत के पिता द्वारा बिहार पुलिस को दी गई एफआईआर में उन्होंने रिया पर आरोप लगाए थे कि रिया की नजर सुशांत के पैसे पर थी और उसके अकाउंट से करोड़ों का हेर-फेर किया गया था। सुशांत सिंह राजपूत के साथ रिलेशनशिप में रहीं रिया चक्रवर्ती पर और भी कई गंभीर आरोप लगे हैं। सुशांत के पिता द्वारा एफआईआर दर्ज कराने के बाद अब तक मामले की जांच बिहार पुलिस कर रही थी। हालांकि अब ये केस सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया गया है। ऐसे में अब बिहार पुलिस इस तस्वीर से पूरी तरह बाहर हो चुकी है।

दिशा सलियन की मां का बयान

बेटी की मौत, सुसाइड नहीं एक एक्सीडेंट भी हो सकती है

संवाददाता

मुंबई। दिवंगत बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत का केस उलझता ही जा रहा है। इस बीच एक्टर की एक्स-मैनेजर दिशा सलियन की मां का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि दिशा की मौत एक एक्सीडेंट भी हो सकती है। वह आगे कहती हैं कि मुझे किसी पर भी शक नहीं है। हम नहीं जानते यह सुसाइड है या फिर कुछ और। हां, एक्सीडेंट भी हो सकता है। शायद मेरी बेटी ने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि उसके पास काम नहीं था। एक समय था जब उसके पास इतना काम हुआ करता था कि उसे समय नहीं मिलता था। आपको बता दें कि दिशा सलियन ने 8 जून को मुंबई में बिल्डिंग से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। इसके एक हफ्ते बाद 14 जून को सुशांत सिंह राजपूत अपने घर पर मृत पाए गए थे। पुलिस दिशा और सुशांत की मौत का कनेक्शन बता रही है। लेकिन अभी तक कुछ भी ऐसा हाथ नहीं लगा है जिससे यह बात साबित हो सके। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि प्रतिभाशाली अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत की सच्चाई सामने आनी ही चाहिए। इसी बीच, केंद्र सरकार ने न्यायालय को सूचित किया कि उसने इस मामले को सीबीआई को सौंपने की बिहार सरकार की सिफारिश स्वीकार कर ली है। जस्टिस ऋषिकेष राय की एकल पीठ ने महाराष्ट्र और बिहार सरकार के साथ ही सुशांत सिंह राजपूत के पिता कृष्ण किशोर सिंह को निर्देश दिया कि वह अभिनेत्री रिया चक्रवती की याचिका पर तीन दिन के भीतर जवाब दाखिल करें।

सुशांत सुसाइड केसः मामले में बीजेपी नेता ने लिया डिनो मोरिया का नाम, भड़के अभिनेता ने कहा- प्लीज इसमें मेरा नाम न घसीटें, मेरा इससे कोई कनेक्शन नहीं

मुंबई। अभिनेता डिनो मोरिया ने उन खबरों का खंडन किया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि मौत से एक रात पहले सुशांत सिंह राजपूत उनकी पार्टी में शामिल हुए थे। डिनो ने भड़कते हुए चेतावनी दी है कि उनका नाम इस मामले में न घसीटा जाए। क्योंकि उनका इससे कुछ भी लेना-देना नहीं है। डिनो ने ट्विटर पर लिखा है, मेरे घर पर किसी तरह की गैदरिंग नहीं हुई। कृपया आरोप लगाने से पहले तथ्यों की जांच कर लीजिए। मेरा नाम इसमें मत घसीटिए। क्योंकि जो कुछ भी हुआ, उससे मेरा कोई कनेक्शन नहीं है।

भाजपा नेता नारायण राणे ने किया था दावा

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता नारायण राणे ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में कहा था कि सुशांत की मौत से एक रात पहले 13 जून को डिनो मोरिया ने अपने घर में सुशांत सिंह राजपूत और कुछ राजनेताओं के लिए पार्टी होस्ट की थी। राणे के मुताबिक, पहले सभी डिनो के घर पार्टी कर रहे रहे थे और फिर वे सुशांत के घर पार्टी करने पहुंचे थे। हालांकि, मुंबई पुलिस 13 जून को सुशांत के घर पर किसी भी पार्टी की बात से इनकार कर चुकी है।

एक और संक्रमण का खतरा बढ़ा

अब लाल प्याज से फैल रहा संक्रमण

सीडीसी ने खास तरह के प्याज को फेंकने की एडवाइजरी जारी की

अमेरिका के 34 राज्यों में सैल्मोनेला बैक्टीरिया का संक्रमण, सीडीसी ने जारी की एडवाइजरी

1. थॉमसन इंटरनेशनल कंपनी के ब्रांड वाले प्याज को फेंक दें
2. अगर प्याज के सप्लायर की जानकारी नहीं है तो इसे न खाएं।
3. रेस्तरां या बाहर का खाना खाएं तो प्याज कहां से आई, उनसे जानकारी लें

संवाददाता

नई दिल्ली। अमेरिका के कई राज्यों में लाल और पीली प्याज से सैल्मोनेला बैक्टीरिया का संक्रमण फैल रहा है। यहां के 34 राज्यों में 400 से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं। अमेरिकी की सबसे बड़ी स्वास्थ्य एजेंसी सेंटर्स फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने अलर्ट जारी किया है। सीडीसी ने थॉमसन इंटरनेशनल नाम की एक कंपनी द्वारा सप्लाई की गई प्याज को न खाने की एडवाइजरी जारी की। इसके साथ ही चेतावनी भी है कि अगर इस कम्पनी के सप्लाय किए हुए प्याज से खाना बनाया है या घर में है तो फेक दें। सैल्मोनेला बैक्टीरिया के संक्रमण के मामले कनाडा में सामने आए हैं। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस बैक्टीरिया से संक्रमित होने के वजह से 60 लोगों को अस्पताल में भर्ती भी होना पड़ा है। फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन का कहना है कि 34 अमेरिकी राज्यों में संक्रमण फैलाने वाला सैल्मोनेला का प्रकोप लाल प्याज से जुड़ा हुआ है। सीडीसी के मुताबिक, शुरूआती मामले 19 जून से 11 जुलाई के बीच रिपोर्ट हुए। सप्लायर एजेंसी थॉमसन इंटरनेशनल लाल, सफेद, पीली और मीठी प्याज वापस मंगाया गया है।

कैसे समझें सैल्मोनेला बैक्टीरिया का संक्रमण हुआ या नहीं

सीडीसी के मुताबिक, इस बैक्टीरिया का संक्रमण होने पर संक्रमित इंसान में डायरिया, बुखार और पेट में दर्द जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इसके लक्षण संक्रमण के बाद 6 घंटे से लेकर 6 दिन में कभी भी दिख सकते हैं। इसके संक्रमण के मामले ज्यादातर 5 साल से अधिक उम्र के बच्चे या 65 साल से अधिक आयु वाले बुजुर्ग में दिखते हैं। संक्रमण का असर अधिक बढ़ने पर यह आंतों तक पहुंच सकता है।

कम्पनी ने दी सफाई- प्याज वापस मंगाया जा रहा है

इस पूरे मामले में अमेरिका और कनाडा में प्याज सप्लाई करने वाली कम्पनी थॉमसन इंटरनेशनल का नाम सामने आया है। कम्पनी का कहना है कि उन्हें इस बात की जानकारी है कि उनके प्याज से संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। जिन दुकानों पर प्याज की सप्लाई की है उसे वापस मंगाया जा रहा है।

रूस का दावा कोरोना की वैक्सीन तैयार

क्लीनिकल ट्रायल में 100 फीसदी सफल रही

नई दिल्ली। रूस ने दावा किया है कि उसने कोरोना की जो वैक्सीन तैयार की है वह क्लीनिकल ट्रायल में 100 फीसदी तक सफल रही है। वैक्सीन का ट्रायल 42 दिन पहले मॉस्को के बुर्डेंको मिलिट्री हॉस्पिटल में शुरू हुआ था। वैक्सीन को रशिया के रक्षा मंत्रालय और गामालेया नेशनल सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एपिडेमियोलॉजी एंड माइक्रोबायलॉजी ने मिलकर तैयार किया है। ट्रायल की रिपोर्ट के मुताबिक, जिन वॉलंटियर्स को वैक्सीन दी गई उनमें वायरस के खिलाफ इम्युनिटी विकसित हुई है।

ट्रायल पूरे, अनुमति मिलते ही लोगों तक पहुंचाई जाएगी

रशिया के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, वैक्सीन ट्रायल के परिणाम सामने आए हैं उनमें बेहतर इम्युनिटी विकसित होने के प्रमाण मिले हैं। दावा किया कि किसी वॉलंटियर्स में निगेटिव साइडइफेक्ट नहीं देखने को मिले। लैब को वैक्सीन के अप्रूवल का इंतजार है। इसकी अनुमति मिलते ही यह लोगों तक पहुंचाई जा सकेगी।

अयोध्या में राम मंदिर का भूमि पूजन तो हो गया, लेकिन निर्माण कुछ दिन शुरू नहीं हो सकता

अब तक नक्शा पास नहीं हुआ

आयोध्या। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अयोध्या में राम मंदिर का भूमि पूजन किया, लेकिन अगर आप सोच रहे हैं कि मंदिर निर्माण कल से ही शुरू हो जाएगा तो ऐसा नहीं है। दरअसल, अभी इसका नक्शा ही पास नहीं हुआ है। आइए जानते हैं मंदिर निर्माण को लेकर आगे क्या क्या होने वाला है? ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के मुताबिक अभी मंदिर का नक्शा अयोध्या विकास प्राधिकरण से पास होना है। इसमें डेढ़ से दो करोड़ रुपए का खर्च आएगा। इसके बाद ही निर्माण का काम शुरू होगा। वहीं, मंदिर के आर्किटेक्ट का काम देख रहे निखिल सोमपुरा के मुताबिक, कंस्ट्रक्शन कंपनी एलएनटी ने मिट्टी की टेस्टिंग की है। इसका रिजल्ट आने के बाद तय किया जाएगा कि मंदिर की नींव कितनी गहरी होगी और कब से काम शुरू होगा।

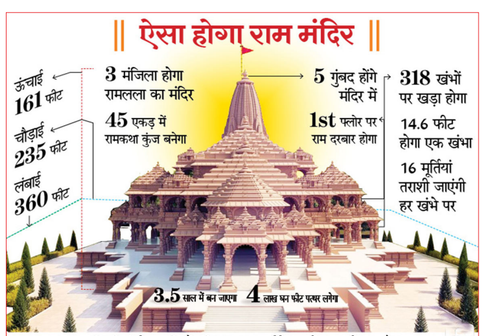

कारीगर और मजदूर कहां से आ रहे हैं? शुरूआत में कितने लोगों से काम शुरू होगा?

निखिल सोमपुरा के मुताबिक अभी यह तय नहीं है कि कितने मजदूर लगेंगे। उन्होंने कहा कि अब तो बड़ी-बड़ी मशीनें आ गई हैं। ज्यादा मशीनें लगेंगी इसके कारण मजदूरों की कम जरूरत पड़ेगी। फिलहाल माना जा रहा है कि कम से कम 100 मजदूरों के साथ मंदिर निर्माण का काम शुरू होगा।

कंस्ट्रक्शन मटेरियल कहां से आ रहा है और कब तक आ जाएगा?

कंस्ट्रक्शन के लिए जो तराशे गए पत्थर हैं, वे यूज होंगे। बाकी सीमेंट वगैरह कहां से आएगी यह एलएंडटी को ही तय करना है। अभी एलएनटी मैनपॉवर का काम भी अलग-अलग ठेकेदारों को देगी। जिसके बाद काम शुरू होगा।

कहा जा रहा है कि 5-6 बड़े ठेकेदार लगेंगे, तो क्या ठेके दे दिए गए या अभी तय होने बाकी हैं?

एलएंडटी ने अभी तक इस बारे में कुछ भी जानकारी नहीं दी है। जब तक एलएनटी उनकी ओर से जवाब नहीं आए तब तक कुछ कहना मुश्किल है। माना जा रहा है कि काम का बंटवारा हो चुका है। ट्रस्ट से हरी झंडी मिलते ही काम शुरू हो जाएगा।

विहिप ने जो पत्थर तराश कर रखे हैं, उनका इस्तेमाल कैसे होगा?

कार्यशाला प्रभारी अन्नू सोमपुरा के मुताबिक, जो पत्थर कार्यशाला में रखे हैं उनसे मंदिर के प्रथम तल का 65% स्ट्रक्चर खड़ा हो जाएगा। इसमें ज्यादातर पिलर के पत्थर तराशे गए हैं।

मधुबनी हलचल

व्यवस्था जर्जर के कारण कोरोना का बिहार में विस्फोट, बिहार सरकार पूरी तरह से निपटने में विफल: फहीम बकर मूसा

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। मधुबनी के युवा समाजसेवी फहीम बकर मूसा ने कहा कि जिस तरह से बिहार में कोरोना महामारी का विस्फोट दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है और स्थिति लगातार भयानक और डरावना होती जा रही है और हमारी सरकार जो अपने आप को विकास पुरुष कहती है वह सरकार जनता को नजरअंदाज करके अपना मुंह को ढक कर एवं आंखों में पट्टी लगाकर सो रही है। बिहार एवं पूरे प्रदेश में अस्पतालों की भारी कमी है मरीज दर-दर की ठोकर खा रही है तो वही आपको सुन के बहुत आश्चर्यचकित होंगे के बिहार में वैसे भी क्रोना की जांच की रफ्तार कछुए की चाल की तरह है लेकिन उसी चाल में मधुबनी जिला के सदर अस्पताल में 400 कोरोना पेशेंट की जांच रखे रखे जिला अस्पताल में ही खराब हो गया जोके बिहार के स्वास्थ्य विभाग को के मुंह पर एक जोरदार तमाचा जैसा प्रतीत होता है। वही फहीम बकर मूसा ने कहा कि जो भी प्रदेश के कुछ अस्पताल है उसका भी स्थिति बेहद खराब है मरीजों की जांच बिल्कुल नहीं हो रही, कोरोना पीड़ित मरीजों के लिए बेड की व्यवस्था नहीं है। उन्होंने बिहार का उदाहरण देते हुए कहा कि बिहार में अब तक करीब 50,000 मरीजों की संख्या पहुंच चुकी है आगे उन्होंने कहा कि रोजाना मीडिया और सोशल मीडिया में कोरोना महामारी को लेकर दिल दहला देने वाली खबर प्रकाशित होती रहती है कहीं अस्पताल में पानी छत से टपक रहा है तो कहीं अस्पताल में पानी के ऊपर मरीज इलाज कराने के लिए लेटा हुआ है तो कहीं दवा नहीं मिल रही है तो कहीं डॉक्टर एवं नर्स सरकार के व्यवस्थाओं के खिलाफ अस्पताल से गायब है कहीं हर वार्ड में गंदगी का ढेर लगा हुआ है लेकिन दुख की बात है कि हमारे मुख्यमंत्री जो विकास पुरुष से अपने आप में प्रसिद्ध है वह मीडिया मैनेज करने में एवं आगामी विधानसभा चुनाव के वर्चुअल रैली में सभी नेताओं के साथ मस्त मगन है। वही मूसा ने कहा कि बिहार के क्वॉरेंटाइन सेंटर और अस्पतालों की स्थिति बड़ी दयनीय है कई जगह की स्थिति इतनी खराब है कि लोग कोरोणा से कम और सरकार की व्यवस्था से काफी डरे हुए हैं अंत में उन्होंने सरकार पर तीखे हमले करते हुए कहा कि जो भी युवा अगर सरकार के खिलाफ आवाज उठाती है तो उसे प्रशासन के तरफ से टॉर्चर किया जाता है अंत में मैं सरकार से विनम्रता अनुरोध करना चाहता हूं के अगर जनता सुरक्षित रहे तो आगे आप भी सरकार में सुरक्षित रहेंगे अन्यथा जनता जिसको कुर्सी पर बैठता है उसे कुर्सी से उतारना बखूबी जानता है।

इंसाफ मंच के अध्यक्ष ने सीएम को लिखा पत्र, कहा बच्चों के स्कूल की सभी फीस अविलंब माफ करे राज्य सरकार: राहत अली

संवाददाता/मो सालिम आजाद

दरभंगा। इंसाफ मंच, बिहार के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राहत अली ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर कोरोना महामारी में प्राइवेट स्कूलों के बच्चों की सभी प्रकार की फीस माफ करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने सरकार से शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों के लिए आर्थिक सहायता देने की भी मांग किया है। पत्र मे इंसाफ मंच के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राहत अली ने लिखा है कि विगत चार महीने से अंतराष्ट्रीय महामारी कोविड-19 के चलते प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के कारण लाखों मध्यम आय वर्ग के अभिभावकों को अपने बच्चों की फीस जमा करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। डॉ अली ने अपने पत्र मे लिखा कि प्रदेश में संचालित बिहार बोर्ड, CBSE बोर्ड, ICSE बोर्ड, मदरसा बोर्ड, संस्कृत बोर्ड, NCERT और अन्य बोर्डों की फीस के साथ अन्य फीस माफ की जाय एवं इन शिक्षण संस्थानों में कार्यरत मानवता, गैर मान्यता प्राप्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सरकार कम से कम 8 हजार प्रति माह देकर उनलोगों को सहायता दी जाय। नए साल के पाठ्य पुस्तकों और ड्रेस में बदलाव न किया जाय।

बिहार के मुख्यमंत्री के नाम खुली चिट्ठी

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। बिहार के मुख्यमंत्री के नाम खुली चिट्ठी लिखा है मुख्यमंत्री जी, आदाब! आप कुर्सी छोड़ क्यों नहीं देते! अवाम का क्या है वो हजारों मसलों को सामने रखकर अपने मतों का गलत या सही प्रयोग करती है, इसका मतलब तो यह कतई नहीं है कि आप प्रदेश को पूरे तौर पर बर्बाद कर दें। याद करें महोदय 2002/2004 का पूरे उत्तर बिहार में तूफानी सैलाब/बाढ़, कुछ याद आया, हम याद करवाते हैं! तब इस भाग्यहीन प्रदेश की मुखिया राबड़ी देवी हुआ करती थी, आप उर्पयुक्त वर्षों में कहा करते थे 'यह बाढ़ कोई प्राकृतिक आपदा नहीं, सरकार की नाकामी है, हमें अगर जनता ने स्वीकार किया तो बाढ़ का पूर्णतः समाधन शुरूआती तीन वर्षों में हो जाएगा' महोदय यह आप ही के कथन हैं

जो विभिन्न श्रोतों से प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री महोदय, इतिहास किसी को माफ नहीं करता, यह सच है कि अब लोकतंत्र में से सिर्फ तंत्र ही बचा है, जनता ने स्वंय ही इस लोकतंत्र को नकारा है, और अब आप देखेंगे की पूरी दुनिया में लोकतंत्र का अध्याय समाप्ति की तरफ है, महोदय मगर इतिहास समाप्त नहीं होता। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि इस मरते हुए लोकतंत्र में खुद को मरने मत दिजिए, आप इस पूरे प्रदेश के मुखिया अब भी हैं आपसे हर वो काम इस प्रदेश की भलाई के लिए हो सकता है, जो इस प्रदेश को चाहिए। स्वास्थ, शिक्षा और सुरक्षा जो हर प्रदेशवासियों को देना आपका कर्त्तव्य है, आप सिर्फ इन्हीं तीन विभागों की हालत देख लिजिए, अपार दुःख के साथ कहना पड़ रहा है महोदय, आपने पूरे बिहार को अंधकार युग में धकेल दिया है। शिक्षा की जगह पर थाली और ताली, स्वास्थ की जगह पर मौत और सिर्फ मौत और सुरक्षा की जगह पर नर्क से बदतर स्थिति कर दिया है महोदय आपने इस प्रदेश का। आपसे विनती है महोदय की आप मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ दिजिए!

निवेदकः- समस्त ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवाँ परिवार।

राजस्थान हलचल

जमीअत उलमा बीकानेर के द्वारा एक लड़की का विवाह करवाया गया

बीकानेर। दिनाक 05 अगस्त को जमीअत उलमा बीकानेर की जानिब से एक लड़की का विवाह किया गया। जमीअत उलमा बीकानेर के महासचिव मौलाना मोहम्मद इरशाद कासमी ने बताया कि हमने सरकारी नियमों की पालना करते हुए 50 लोगों का खाना बनवाया और लड़की को जरूरत का सामान और 5000 रुपये नकद गिफ्ट के दिये। ध्यान रहे कि थोड़े दिन पूर्व भी जमीअत की तरफ 2 लड़कियों के विवाह करवाये गए थे। मौलाना कासमी ने बताया कि इस मौके पर रिजवान खन्ना, हाफिज अजमल, अब्दुल हमीद, अकबर अली हाकम खां, राशिद कोहरी और अतीक राठौड़ आदि ने अपनी सेवाएं दी।

बुलढाणा हलचल

बुलढाणा जिले में 78 लोग पॉजिटिव, 39 की झुट्टी

बुलढाणा। बुलढाणा शहर समेत ग्रामीण भागों में बुधवार को कुल 78 की वृद्धि हुई हुई नए पीडीतो को मिलाकर जिले में कुल संक्रमितो की संख्या1617 हो गई है वही आज 40 संक्रमित स्वस्थ होकर घर लौटे गए हैं स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक 507 लोगों कि मिली जांच रिपोर्ट में 429 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है जबकि 78 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए। अब तक जिले मे 10691 रिपोर्ट निगेटिव्ह प्राप्त हुवी है। जिले मे कोरोना संक्रमितों का आंकडा 1617 तक पहुच गया है इन मे से979 कोरोना संक्रमितो को निगेटिव्ह आने पर वैद्यकीय प्रोटोकॉल के अनुसार इन्हे झुट्टी दे दि गई है। फिलहाल जिले मे 604 कोरोना संक्रमित मरीजो का उपचार शुरू है। कोरोना बिमारी से जिले में अब तक से 34 लोगों कि मृत्यू हो चुकी है ऐसी जानकारी निवासी उपजिल्हाधिकारी इन्होने दी है।

कोरोना के दौर में महंगी सब्जियां आसमान छू रहे हैं, गृहणियों का बजट बिगड़ा

बुलढाणा। कोरोना के दौर में सब्जियों की कीमतें आसमान को छू रही है ऐसी प्रस्तुति में रसोईघर को चलाना किसी सरकार को चलाने से कम नहीं रह गया है बढ़ती कीमतों ने लोगों को मुश्किल में डाल रखा है वही गृहणियो का बजट बिगाड़ कर रख दिया है सबसे अधिक परेशानियों का सामना बजट बिगड़ने से मध्यम वर्गीय परिवारों को उठाना पड़ रहा है लोकडॉऊन के बाद से ही ट्रांसपोर्ट व्यवस्था लड़खड़ा ही गई थी अनलॉक के कुछ हद तक इसमें सुधार आया था लेकिन पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी से परिवहन व्यवस्था लगातार प्रभावित हो गई यही वजह ठेके इन दिनों सब्जियों के दाम बढ़ गए हैं इसके अलावा आवक कम होने से भी दाम आसमान छू रहे हैं 20 रु. बिकने वाले टमाटर 50 से 60 रु. किलो बिक रहे हैं आलू 40 रु. किलो बिक रहा है अदरक 120 रु. इसके अलावा मेथी की भाजी 120 रु. किलो बिक रही है बैगन 50 रु. तथा फूलगोभी शत्रु की भिंडी 50 से 7 रु. प्रति किलो बिक रही है।

20 साल बाद आरोपी को दबोचा

बुलढाणा। साखरखेर्डा पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है जो पिछले 20 वर्षों से एंटी-नारकोटिक्स एक्ट (एनडीपीएस एक्ट) के तहत फरार हुवा था। वर्ष 2000 में, आरोपी काशीनाथ मोहन मोहिते, उम्र 49 वर्ष, निवासी। नागझरी झोडेगा, तहेसील खामगाँव पर गांजा बेचने के आरोप मे गिरफ्तार गया था। अदालत ने उसका एनबीडब्ल्यू स्थायी वारंट जारी किया था क्योंकि वह तारीख पर अदालत में पेश नहीं हुआ था। आरोपी मौजूद नहीं था। लेकिन सखारखेड़ा थाने के एपीआई संग्राम पाटिल ने आरोपियों के लिए तलाशी अभियान चलाया था। गुप्त सूचना मिलने के बाद कि अभियुक्त खामगाँव तालुका के मटारगाँव में था, थानेदार पाटिल ने अपनी टीम के साथ मतारगाँव में जाल बिछाया और आरोपी काशीनाथ मोहिते को गिरफ्तार कर लिया। जबकि आरोपी को अदालत में पेश किया गया था, अदालत ने आरोपी को बुलंदाना जेल भेज दिया। साहरखेड़ा पुलिस को विशेष सराहना मिल रही है क्योंकि आरोपी 20 साल बाद पकड़ा गया।

रामपुर हलचल

टांडा रामपुर मुख्य बाजार के अंदर आदेशों का नहीं किया जा रहा है पालन

टाण्डा (रामपुर)। कोविड 19का पालन नगर व क्षेत्रीय लोग मुख्य बाजार के अन्दर बाईको आदि पर बिना मास्क लगाये तथा एक जगह काफी तादात में लोग इकढढा होकर दुकानों आदि के सामने खड़े हो जाते है जिसके चलते कोविद 19 का खुलेआम मजाक उड़ायाजा रहा है ऐसा प्रतीत होता है कि कोरोना वायरस महामारी समाप्त हो गई है साथ ही शारीरिक डंगसे दुरी अपनाये जाने का भी पालन नहीं किया जा रहा है जबकि पुलिस विभाग की पहरेदारी नगर के प्रत्येग चोराहा एवं रास्तो पर दिखाई देती है बावुजूद इसके नगर व क्षेत्रीय अपनी हरकतों से बाज नही आ पा रहे है जबकि सरकार द्रारा भी लगातार जागरूक कराया जा रहा है शनिवार एवं रविवार दो दिन के लिए लाकडाउन का लगाया जाना अनिवार्य हो गया है पुलिस एवं अन्य विभाग आपनी कार्यकुशलता दिखने में सक्षम है कोविड 19 के दायरे से बचाव को लेकर भर्षक प्रयास लगातार जरी है साप्ताहिक बाजार भी झंडा चोक पर ही लगाया जा रहा है पुलिस एवं अन्य विभगो के सहयोग के चलते लगातार भीड़ भाड पर नियत्रण किया जा रहा है कोविड 19 के अंतगर्त ही साप्ताहिक बाजार लगाया जा रहा है सरकार के आदेशो का लगातार पालन कराया जा रहा है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ब्यूटी प्रॉडक्ट्स को वेस्ट नहीं होंने देंगे ये कमाल के टिप्स

मेकअप करना तो आजकल लड़की की जरूर बन गया है, फिर चाहें वह थोड़ा-सा ही मेकअप क्यों न करें। मेकअप करने के लिए लड़कियां बहुत से ब्यूटी प्रॉडक्ट्स ले आती हैं लेकिन एक-दो बार लगाने के बाद ही वह एक्सपायर हो जाते हैं। ऐसे में आपके ब्यूटी प्रॉडक्ट्स वेस्ट हो जाते हैं और आप उन्हें दोबारा इस्तेमाल भी नहीं कर पाती। आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देंगे, जिससे आपके ब्यूटी प्रॉडक्ट्स वेस्ट नहीं होंगे।

1. प्रॉडक्ट्स डेट चेक करना
महीने में कम से कम 1 बार अपने प्रॉडक्ट्स की डेट जरूर चेक करें। अगर वह एक्सपायर होने वाली है तो उसका इस्तेमाल कर लें। अगर आप उसे यूज नहीं करना चाहती तो उसे अपनी फ्रेंड्स को दे दें।

2. बेवजह न खरीदें ब्यूटी प्रॉडक्ट्स
अक्सर आप किसी को देखकर या ऐसे कोई भी ब्यूटी प्रॉडक्ट्स ले आती हैं। इसलिए कोई भी ब्यूटी प्रॉडक्ट्स लेने से पहले एक बार अच्छी तरह सोच लें कि आपको उसकी जरूरत है भी या नहीं।

3. विज्ञापन पर न जाएं
हमेशा वहीं प्रॉडक्ट्स लें जोकि आपके बजट में हो और जो आपको सूट करें। उन प्रोडक्ट्स को अवॉइड करें, जिन्हें आपने सिर्फ एड में देखा हो। अक्सर आप एड में किसी भी प्रॉडक्ट्स को देखकर खरीद लेते हैं, चाहें वह आपके सही हो या नहीं।

4. मल्टी-टास्किंग प्रोडक्ट्स लें
हमेशा ऐसे प्रॉडक्ट्स लें जिन्हें आप एक से ज्यादा काम में इस्तेमाल कर सकें यानि जो मल्टी-टास्क हों। इससे आप बहुत सारे प्रोडक्ट्स खरीदने से बचेंगी, जिससे आपके पैसे और बैग में जगह दोनों बच जाएगी।

5. हमेशा छोटे पैक्स ही लें
अगर आप कोई ब्यूटी प्रॉडक्ट्स यूज करके देखना चाहती हैं तो उसका सेंपल या छोटा पैक लें। इससे आपको कम खर्च में ही पता चल जाएगा कि वह आपके लिए सही है या नहीं। इससे आपको प्रॉडक्ट फैंकना भी नहीं पड़ेगा और आपके काम भी आ जाएगा।

दुबलापन घटा रहा है आपकी पर्सनैलिटी तो डाइट में शामिल करें ये 6 चीजें

अट्रैक्टिव लुक के लिए केवल फैशनेबल ड्रेस ही नहीं जरूरी होती बल्कि इसके लिए बॉडी सट्रक्चर भी अच्छा होना चाहिए। अगर आप पतले होगें तो आप किसी भी तरह की ड्रेस पहन लें वह आप पर अच्छी नहीं लगेगी। कुछ लोग इस परेशानी से छुटकारा पाने के लिए दवाइयों या फिर प्रोटीन युक्त पाउडर का सहारा लेते हैं। जिसका कई बार साइड इफैक्ट भी होता है। आज हम आपको मोटे होने के लिए ऐसे घरेलू उपाय बताएंगे, जिसका किसी तरह का साइड इफैक्ट भी नहीं होगा और आपकी लुक भी बढ़िया दिखने लगेगी।

मोटापे के लिए करें ये घरेलू उपाय

1. अंजीर

अंजीर में कार्बोहाइड्रेट्स की काफी मात्रा होती है जो मोटापा बढ़ाने में मदद करता है। इसे इस्तेमाल करने के लिए रात को 5-6 अंजीर पानी में भिगो दें। इसका आधा हिस्सा सुबह और आधा दोपहर को खा लें। इस उपाय को लगातार एक महीना तक करें।

इसके अलावा रात को 2 सूखे अंजीर दूध में डुबोकर रख दें और सुबह नाश्ते में खाएं। इस उपाय को 2 महीने करें।

2. किशमिश

इसमें फैटी एसिड भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो मोटापा बढ़ाने में मदद करते हैं। इसके सेवन से शरीर में पोषक तत्वों की पूर्ति होती है। रोजाना एक मुट्ठी किशमिश खाएं या फिर एक मुट्ठी किशमिश और पांच अंजीर को पानी में डुबोकर रख दें और इसे 2 बार करके खाएं। इसे लगातार एक महीने तक करें।

3. घी

वजन बढ़ाने के लिए घी बढ़िया ऑप्शन है। इसे इस्तेमाल करने के लिए 1 चम्मच घी और 1 चम्मच शक्कर अच्छी तरह मिलाएं। इसे दोपहर और रात को खाना खाने से 30 मिनट पहले खाएं। इसे एक महीना ट्राई करें।

4. आलू

आलू में कार्बोहाइड्रेट्स और काम्प्लेक्स की मात्रा काफी होती है जो फैट बढ़ाने में मदद करते हैं। हर रोज कम से कम 1 आलू को पका कर या भूनकर खाएं। आप इसके चिप्स बना कर भी खा सकते हैं। इसे फ्राई करने के लिए जैतून के तेल का इस्तेमाल करें।

5. अंडा

अंडे में कैलोरी और प्रोटीन होने के कारण यह वजन बढ़ाने में मददगार है। अंडे में मौजूद प्रोटीन शरीर की मांसपेशियों को बॉडी बिल्डिंग ब्लॉक्स प्रदान करता है। रोज 3-4 अंडे आमलेट बना कर खाएं।

6. केला

केले में काफी मात्रा में कैलोरी होती है। जिससे तेजी से वजन बढ़ता है। इसके लिए नाश्ते में दो केले खाएं और इसके बाद 1 गिलास गर्म दूध में 1 चम्मच घी और स्वादानुसार चीनी मिलाकर पीएं।

घमौरियों से होने वाली खुजली-जलन को दूर करेंगे ये घरेलू नुस्खे

गर्मियों का मौसम आते ही लोगों को त्वचा संबंधित बहुत सी समस्याएं होने लगती है। इस समय चिलचिलाती धूप और पसीने की वजह से घमौरियां होना बहुत आम सी बात है। माथे, पीठ और गर्दन पर छोटे-छोटे दाने निकल जाते हैं। इससे बदन पर जलन और खुजली शुरू हो जाती है। खुजली और जलन से राहत पाने के लिए ज्यादातर लोग पाउडर का इस्तेमाल करते हैं। मगर इनका असर कुछ समय के लिए ही रहता है। ऐसे में घमौरियों को जड़ से खत्म करने के लिए घरेलू नुस्खे अपना सकते हैं। तो आइए जानते हैं वो कौन से घरेलू नुस्खे हैं जो घमौरियों से राहत दिलाते हैं।

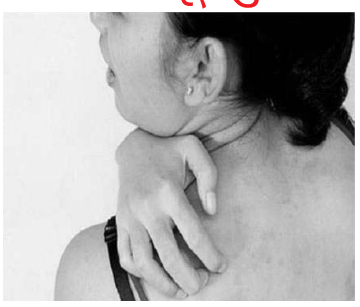

1. हल्दी

घमौरियों पर हल्दी का इस्तेमाल करें। इसमें एंटीबायोटिक गुण होते हैं जो शरीर को स्वस्थ रखने का काम करता है। जहां पर घमौरियां हो वहां पर हल्दी और मेथी से बना पेस्ट लगाएं। हफ्ते में 1 बार इस पेस्ट का इस्तेमाल करने से घमौरियां दूर हो जाएंगी।

2. बर्फ

घमौरियों पर 5 से 10 मिनट के लिए बर्फ के टुकड़ा लगाएं। मगर ध्यान रहे की बर्फ को सीधा स्किन पर ना लगाएं। बर्फ कपड़े में लपेट कर ही त्वचा में लगानीचाहिए। इसको दिन में 4 से 6 घंटे के अंतर में लगाएं।

3. एलोवेरा

सबसे पहले फ्रैश एलोवेरा लें। इसको अच्छे से धो लें। अब इसके गूदे को घमौरियों पर लगाएं। एलोवेरा लगाने से जल्द ही घमौरियों से राहत मिलेगी।

4. चंदन

चंदन पाउड और धनिया पाउडर लें। इसमें गुलाब जल डालकर एक गाढ़ा लेप बना लें। इस लेप को शरीर पर लगाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। उसके बाद लेप को गुनगुने पानी से धो लें। इससे घमौरियों की जलन दूर होगी और त्वचा को ताजगी मिलेगी।

5. मुल्तानी मिट्टी

घमौरियां का उपचार करने के लिए मुल्तानी मिट्टी बहुत ही असरदार है। मुल्तानी मिट्टी में गुलाब जल डालकर एक पेस्ट बनाएं। अब इसको घमौरियों वाली जगह पर लगा लें। जल्द ही आपको घमौरियों से राहत मिलेगी।

6. नारियल तेल

नारियल तेल में कपूर पीस कर मिलाएं और नहाने के बाद इसे घमौरियों पर लगाएं। रोजाना दिन में 2 बार इससे शरीर की मालिश करने पर घमौरियां ठीक हो जाएंगी।

7. मेंहदी

घमौरियों की समस्या को तुरंत खत्म करने के लिए मेंहदी का लेप बनाकर प्रभावित जगह पर लगाएं। इससे शरीर को ठंडक मिलेगी और घमौरियां ठीक हो जाएंगी। इसके अलावा नहाने के पानी में मेंहदी के पत्तों को पीस डालें। अब इस पानी से नहा लें। कुछ दिनों तक ऐसा करने से घमौरियां दूर हो जाएंगी।

शराब छोड़ने में बेहद मददगार हैं ये घरेलू नुस्खे, एक बार अजमाकर देखें

आज के समय में शराब की बुरी लत में बहुत से लोग फंस चुके हैं। इससे उनकी अपनी तो जिंदगी खराब होती ही है साथ ही में अपने परिवार वालों को भी दुखी करते हैं। अगर आप या आपका कोई खास इस लत में बुरी तरह फंस गया है और वह इस से छुटकारा पाना चाहता है तो सबसे पहले उसे शराब छोड़ने का दृढ़ निश्चय लेना होगा। वैसे तो इस लत से एक दम छुटकारा पाना मुश्किल है लेकिन इसे धीरे-धीरे छुड़ाया जा सकता है। आज हम आपको इस लत को हटाने के लिए घरेलू उपाय बताएंगे, जिसे इस्तेमाल करके आप शराब पीने की बुरी आदत को छोड़ सकते हैं।

1. तुलसी

इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट तत्व पाए जाते हैं जो शरीर में अशुद्धियां साफ करने में मदद करते हैं। तुलसी के पत्ते खाने से शराब की बुरी लत छूट सकती है।

2. करेले के पत्ते

करेले के पत्ते शरीर में विषैले पदार्थ बाहर निकालने के साथ शराब की लत छुड़ाने में मदद करते हैं। इसे इस्तेमाल करने के लिए पत्तों को पीस कर इसका रस निकाल लें और इसके दो चम्मच छाछ के साथ मिलाकर पीएं।

3. फाइबर युक्त फल

फाइबर युक्त फलों को खाने से शराब की लत को छुड़ाया जा सकता है इसलिए अधिक फाइबर वाले फल जैसे संतरा, अनार का सेवन करना चाहिए। इसे खाने से शरीर में ब्लड शुगर लेवल भी अच्छा रहता है।

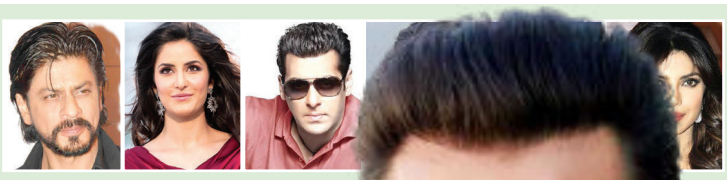

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'आश्रम' से बॉबी देओल कर रहे हैं डिजिटल डेब्यू

'रेस 3' और 'हाउसफुल 4' जैसी फिल्मों से फैन्स का दिल जीतने वाले अभिनेता बॉबी देओल भी अब ओटीटी की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैं। बॉबी देओल पहली बार प्रकाश झा द्वारा निर्देशित आश्रम में नजर आने वाले हैं। बॉबी ने खुद इसका पहला पोस्टर भी रिलीज किया। राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों को अपने फिल्मो के जरिये उजागर करनेवाले डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और एक्टर प्रकाश झा भी अपनी इस वेब सीरिज के काफी उत्साहित हैं लेकिन साथ में उन्हें इस बात का डर है कि धर्म गुरुओं की नीतिओ और कूटनीतियों की पृष्ठभूमि पर बनी इस वेब सीरीज को कहीं कुछ लोग गलत बताकर इसे विवादों में डाल दें इसलिए उन्होंने ट्रेलर से पहले एक खास डिसक्लेमर रिलीज भी कर दिया जिसमें उन्होंने साफ कर दिया है कि इस वेब सीरिज से किसी को ठेस पहुंचाने की उनकी कोई मंशा नहीं है। दरअसल प्रकाश को डर है कि उनकी इस बेव सीरिज को कुछ लोग गलत तरीके से न पेश करें। उन्होंने अपने संदेश में साफ कह दिया है कि उन्होंने इसे मनोरंजन के लिए बनाया है। आपको बता दें कि 28 अगस्त 2020 को एम क्स प्लेयर पर 'आश्रम' को रिलीज किया जाएगा। खास बात ये है कि इसमें बॉबी एक अलग लुक में नजर आ रहे हैं। इस वेब सीरिज में वे पगड़ी पहले, दाढ़ी और तिलक के साथ दिखाई देंगे। इससे पहले कभी भी बॉबी को इस तरह देखा नहीं गया है। बॉबी भी अपनी इस सीरिज के लिए काफी उत्साहित हैं और हाल ही में उन्होंने अपने फैंस के साथ अपनी फीलिंग शेयर की।

बोलीं रवीना- रोल के लिए हीरोज के साथ नहीं सोई

सुशांत सिंह राजपूत की घटना ने बॉलिवुड में कई दबे विवादों और मुद्दों को एक बार फिर से जिंदा कर दिया है। जहां नेपोटिज्म और इंडस्ट्री में आउटसाइडर्स के साथ बुरे बर्ताव को लेकर चर्चा होने लगी है वहीं फिल्म इंडस्ट्री से कई सितारे अपने बुरे अनुभवों को लेकर सोशल मीडिया पर भी आने लगे। बॉलिवुड से जुड़े एक ऐसे ही काले सच के बारे में रवीना टंडन का बयान आया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि उन्होंने लोग क्यों एरोगेंट कहते थे। उन्होंने बॉलिवुड से जुड़े उन अफवाहों को भी सच साबित कर दिया है जिसके बारे में कहा जाता रहा है कि इंडस्ट्री में आगे बढ़ने के लिए कई गलत फैसले भी लेने पड़ते हैं। सुशांत सिंह राजपूत की घटना ने बॉलिवुड में कई दबे विवादों और मुद्दों को एक बार फिर से जिंदा कर दिया है। जहां नेपोटिज्म और इंडस्ट्री में आउटसाइडर्स के साथ बुरे बर्ताव को लेकर चर्चा होने लगी है वहीं फिल्म इंडस्ट्री से कई सितारे अपने बुरे अनुभवों को लेकर सोशल मीडिया पर भी आने लगे। बॉलिवुड से जुड़े एक ऐसे ही काले सच के बारे में रवीना टंडन का बयान आया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि उन्होंने लोग क्यों एरोगेंट कहते थे। उन्होंने बॉलिवुड से जुड़े उन अफवाहों को भी सच साबित कर दिया है जिसके बारे में कहा जाता रहा है कि इंडस्ट्री में आगे बढ़ने के लिए कई गलत फैसले भी लेने पड़ते हैं। रवीना ने आगे जो बातें बताई, वो वाकई हैरान करने वाली हैं। उन्होंने कहा– मैं कभी रोल के लिए हीरोज के साथ सोया नहीं करती थी और न ही अफेयर रहता था। रवीना ने बताया– कई मामलों में मुझे एरोगेंट यानी घमंडी कहा जाता था क्योंकि मैं वह करने के लिए राजी नहीं हुआ करती थी जो वो मुझसे चाहते थे, जब वे चाहें तो हंसू, जब वे कहें तो बैठूं।

अनुष्का ने दिया जवाब...

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस अनुष्का शर्मा इन दिनों अपने पति विराट कोहली के साथ समय बिता रही है। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट की पर अपने फैंस के लिए 'आस्क–मी–एनीथिंग' सेशन रखा। इस दौरान अनुष्का शर्मा ने फैंस को अपने बारे में कई दिलचस्प बाते बताईं। फैंस ने उनसे फूड चॉइस, विराट को सबसे अधिक क्या परेशान करता है जैसे कई सवाल किए और ऐक्ट्रेस ने इस सभी का जवाब दिया। फैन के फूड चॉइस के सवाल पर अनुष्का शर्मा ने कहा कि वह 2015 की शुरूआत से शाकाहारी हैं और यह उनकी लाइफ के सबसे अच्छे फैसलों में से एक है। वह पहाड़ी डिशेज पसंद करती हैं। हालांकि, जब मोमो और पानी के बारे में पूछा गया तो ऐक्ट्रेस ने बताया कि उनकी मां वेज मोमो और वसोर्वा संजीव इनक्लेव में पानी पूरी भइया के गोल गप्पे। इसके साथ उन्होंने खुद को अच्छा कुक बताया। अनुष्का शर्मा के एक फैन ने पूछा कि विराट को सबसे ज्यादा परेशान क्या करता है। इस पर ऐक्ट्रेस ने बताया कि विराट जब उनसे किसी बोर्ड गेम्स में हार जाते हैं तो परेशान होते हैं। एक अन्य फैन ने पूछा कि आप विराट की हेल्प लोगे? इस पर अनुष्का शर्मा ने कहा कि हां, टाइट बोतल खोलने में और भारी कुर्सियों को उठान में मदद लूंगी।